>

Title: Need to provide compensation to the betel leaves growers in Tikamgarh Parliamentary Constituency in Madhya Pradesh and other parts of the country whose crops have been damaged, and to bring the betel crop under the Crops Insurance Scheme.

श्री वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़): सभापति महोदया, हमारा देश पान उत्पादन की दृष्टि से दुनिया में अग्रणी स्थान रखता है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, उड़ीसा, तमिलनाडू आदि राज्यों में पान उत्पादकों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। पान उत्पादन की प्रक्रिया काफी महंगी और जटिल होती है। शासन द्वारा इस कार्य को सामाजिक वानिकी में शामिल तो किया गया है, जबकि पान उत्पादन को कृषि योजना में शामिल करने की मांग लम्बे अर्से से की जा रही है, ताकि उन्हें फसल बीमा योजना का लभा मिल सके। इस वर्ष बहुत ठंड पड़ने के कारण मध्य प्रदेश के मेरे संसदीय क्षेत्र टीकमगढ़-छतरपुर सहित देश के अन्य भागों में पान की खेती पूरी तरह नष्ट हो गई है। फसल नष्ट हो जाने के कारण विदेशों को पान निर्यात की मात्रा में भी कमी आई है। इसके अलावा पान उत्पादकों के सामने जीवन-मरण का प्रश्न खड़ा हो गया है। अतः मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि सम्पूर्ण देश में जहां-जहां पान की खेती होती है, वहां के पान उत्पादकों को क्षतिपूर्ति राशि दिलाए जाने का तथा पान की खेती को फसल बीमा योजना में शामिल करके फसल बीमा योजना का लाभ दिलाने का सहयोग किया जाए।